# प्रकाशनार्थ

**पटना, 22 मार्च।** विश्व जल दिवस, 2022 के अवसर पर भूजल संसाधनों की चुनौतियों को उजागर करने के लिए, आद्री स्थित सेंटर फॉर स्टडीज ऑन एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट (सीएसईसी) द्वारा एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (बीएसपीसीबी) के अध्यक्ष प्रोफेसर अशोक कुमार घोष और जल पहल ओडिशा (डब्ल्यूआईओ) के संयोजक श्री रंजन पांडा द्वारा व्याख्यान दिए गए।

श्री रंजन पांडा ने प्रतिभागियों को जल संचयन में पारंपरिक ज्ञान की आवश्यकता के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि क्षेत्र विशिष्ट रणनीति बनाने की आवश्यकता है। इस समय नीति और स्थानीय स्तर के साथ ही कई स्तरों पर हस्तक्षेप और पारंपरिक तथा आधुनिक व्यवस्था के एकीकरण की आवश्यकता है।

प्रोफेसर अशोक कुमार घोष ने पूरे भारत में जल संकट के साथ-साथ जल प्रदूषण के बढ़ते स्तर की ओर इशारा किया। उन्होंने यह भी कहा कि कैसे आम लोग अक्सर घुले हुए दूषित पदार्थों के बारे में बिना किसी जानकारी के भूजल की गुणवत्ता की गलत व्याख्या करते हैं।

आद्री के सदस्य-सचिव डॉ. प्रभात पी घोष ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बिहार के विशेष संदर्भ में भारत के मौजूदा जल संसाधनों पर ध्यान केंद्रित किया।

अन्य प्रतिभागियों में श्री विवेक तेजस्वी, सुश्री देबरूपा घोष और सुश्री गजल हाशमी, सीएसईसी, आद्री की ओर से उपस्थित थे। कार्यक्रम में पटना वीमेन्स कॉलेज के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहीं।

(अंजनी कुमार वर्मा)